केस स्टडी-3 (फरवरी-2024)

जारी तिथि : 26.02.24

SPAD

घटनाक्रम:- दिनांक 22.02.24 को पश्चिम मध्य रेल के भोपाल (BPL) मण्डल, ट्रेन क्र. 22537, लोको क्र. 39849/BNDM के साथ सेक्शन : बीना-भोपाल (मल्टीपल लाइन सेक्शन) के निशातपुरा (NSZ) स्टेशन के मिडल लाइन से स्टार्ट हुई। गाड़ी को निशातपुरा स्टेशन के मिडल लाइन स्टार्टर सिग्नल S-42 को एक पीला एवं बाएँ रूट को देकर अप मिडल लाइन से अप मेन लाइन पर सिग्नल S-5 तक लिया जा रहा था। कर्मीदल ने भोपाल स्टेशन के अप मेन लाइन के होम सिग्नल S-5 को भ्रमवश अपना न मानते हुए ऑन स्थिति में 8 Kmph गति से पार किया एवं अगले सिग्नल S-6 पर जाकर रुक गया क्यूंकि सिग्नल S-6 भी ऑन स्थिति में था। (समय :13:10 बजे, मौसम: साफ)

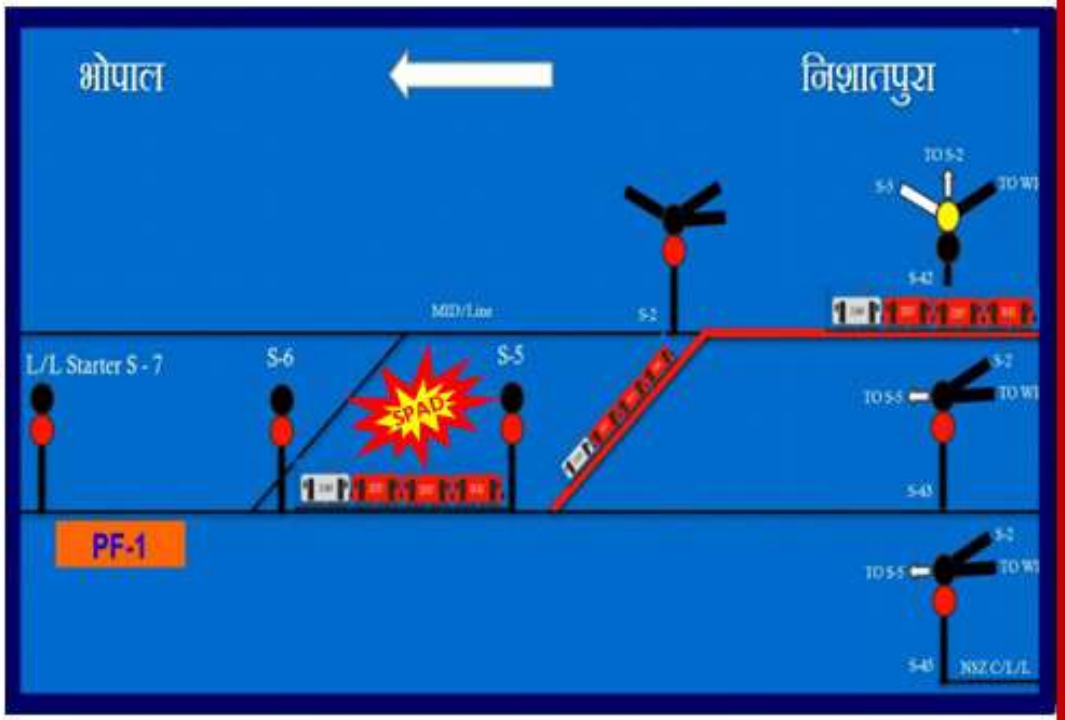

संभावित कारण:-

- ✓ कर्मीदल की यार्ड की लर्निंग सही न होना।
- ✓ कर्मीदल द्वारा अप मेन लाइन के होम सिग्नल S-5 को नजर अंदाज़ करना।
- ✓ कर्मीदल द्वारा होम सिग्नल S-5 के प्रति भ्रमित होना।

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ कर्मीदल का यार्ड के सिग्नल ले-आउट के बारे में पर्याप्त जानकारी न होना।
- ✓ यार्ड में प्रवेश करते समय यदि किसी सिग्नल पर भ्रम की स्थिति हो तो उसके पूर्व गाड़ी को खड़ी करें।
- ✓ भ्रम की स्थिति में गाड़ी रोककर, कन्फ़र्म करने के उपरांत ही गाड़ी को आगे बढ़ाएँ।
- ✓ लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट स्टेशन/लाइन/सिग्नल नंबर के साथ हाथ के इशारे से सिग्नल को ज़ोर से पुकारें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, यह मानकर गाड़ी को कंट्रोल करें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने के बाद, ALP ने LP को बार बार याद दिलाना चाहिए कि आगे सिग्नल लाल है।
- ✓ ALP को LP की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए व किसी भी खतरे की स्थिति को भांपते हुए तुरंत RS वाल्व खोल देना चाहिए।

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।